University in News on 29 January 2024

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : कम लागत में तैयार की कृत्रिम बत्तीसी

लवि के भौतिक विज्ञान, जूलाजी विभाग, केजीएमयू और आइआइटी बीएचयू के शिक्षकों ने किया शोध

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के शिक्षक डा. सीआर गौतम व उनके शोधार्थियों ने कम लागत में कंपोजिट मटीरियल को तैयार करने के साथ ही मजबूत कृत्रिम बत्तीसी भी बनाई है। उनका यह शोध कार्य हाल ही में नेचर ग्रुप के साइंटिफिक रिपोर्ट में प्रकाशित हुआ है। शोध के अनुसार कृत्रिम बत्तीसी में लगाया गया मटीरियल महंगे मटीरियल की अपेक्षा अधिक मजबूत है।

कम लागत में बनी बत्तीसी

लवि के भौतिक विज्ञान विभाग में स्थापित एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने बताया कि दो साल से आर्टिफिशियल डेंचर (कृत्रिम बत्तीसी) कंपोजिट मटीरियल आधारित निर्माण, संरचनात्मक और दंत अनुप्रयोगों के लिए मैग्नीशियम आक्साइड प्रतिस्थापित (पीएमएमए) कंपोसिट्स के यांत्रिक व्यवहार में वृद्धि पर शोध पर कार्य कर रहे हैं। डा. गौतम के साथ इसमें शोधार्थी सविता कुमारी, रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी और डा. एजाज हुसैन ने कंपोजिट मटीरियल को तैयार करके एक अच्छी मजबूती (स्ट्रेंथ) युक्त कृत्रिम बत्तीसी का भी निर्माण किया है। इस शोध का मुख्य लक्ष्य सस्ता और प्रभावी मजबूती वाला डेंचर मटीरियल तैयार करना था, जो मरीजों के लिए किफायती कीमत में उपलब्ध हो सके।

कृत्रिम बत्तीसी तैयार करने वालों में लवि के शोधार्थी (बाएं से दाएं) रजत कुमार मिश्रा, सर्वेश कुमार अविनाशी, एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम, डा. जैरीन फातिमा, श्वेता और सविता कुमारी • सौजन्य : स्वयं

सस्ते मटीरियल से मिले अच्छे परिणाम : डा. सीआर गौतम ने बताया कि डेंचर मटीरियल दो तरह के होते हैं। एक जिसकी मजबूती और लागत काफी ज्यादा होती है। दूसरा जिसकी मजबूती और लागत कम होती है। महंगे वाले की लागत सस्ते वाले से लगभग 180 गुना ज्यादा होती है। हमने कम मजबूती वाले मटीरियल का प्रयोग करके मैग्नीशियम आक्साइड डोपन करके एक नया कंपोजिट मटीरियल तैयार किया। इसमें केजीएमयू के प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग के प्रोफेसर डा. जितेंद्र राव, आइआइटी बीएचयू के ट्राइबोलाजिकल कैरेक्टराइजेशन में प्रो. आरके गौतम तथा बायोलाजिकल कैरेक्टराइजेशन में लवि के जंतु विज्ञान विभाग की प्रो. मोनिशा बैनर्जी एवं उनके शोधार्थियों का भी सहयोग रहा है। इसकी मजबूती महंगे वाले मटीरियल से भी बेहतर मिली। इस कंपोजिट को हीट क्योर तकनीक का उपयोग करके बनाया गया।

तीन तक अपलोड होंगे अंक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परिसर स्थित अपने विभागों एवं डिग्री कालेजों को स्नातक व परास्नातक विषय सेमेस्टर की आंतरिक परीक्षाओं के अंक अपलोड करने के लिए फिर तिथि बढ़ा दी है। अब बी.काम पाठ्यक्रम को छोड़कर तीन फरवरी तक अंक अपलोड किए जा सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि कुछ कालेजों ने अब तक अपने विद्यार्थियों के अंक अपलोड नहीं किए। इसलिए फिर से अंतिम मौका देते हुए हार्ड कापी भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। (जासं.)

प्रयोगात्मक परीक्षा कल

लखनऊ : लवि की ओर से एम.एससी कम्प्यूटर साइंस प्रथम सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 30 जनवरी को सुबह 10.30 से 1.30 बजे तक होगी। विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है। (जासं.)

आवेदन 31 तक

लखनऊ : लवि ने स्टूडेंट वेलफेयर फंड के तहत कर्मयोगी योजना के लिए अर्ह छात्र-छात्राओं से 31 जनवरी तक आवेदन मांगे हैं। विभागाध्यक्ष, निदेशक या कोआर्डिनेटर के माध्यम से फार्म कार्यालय में जमा करना होगा। आवेदन का प्रारूप गूगल फार्म https://froms.gle/y683Mxi13CZ35R9N6 पर दिया गया है। (जासं.)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में व्याख्यान का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. रजनी श्रीवास्तव के तत्वाधान में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दर्शनशास्त्र विभाग की शोध छात्रा प्रिया रावत ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का विषय एरिस्टोटेलियन एथिक्स था। व्याख्यान में अरस्तू की नैतिकता पर विचार किया गया। सेमिनार का संचालन विभाग की शोध छात्रा मनाल जब्बार ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रशांत शुक्ला और डॉ. राकेश चंद्रा के अलावा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों सहित विभाग के शोधार्थी उपस्थित रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अनैतिक व्यवहार भी अनुचित

लखनऊ। लविवि के दर्शनशास्त्र विभाग में हुए व्याख्यान में शोध छात्रा प्रिया रावत ने अपने व्याख्यान से अरस्तू की नैतिकता पर विचार रखे। कहा, अरस्तू की सदाचार नैतिकता सैद्धांतिक और व्यावहारिक को साथ लाने का दावा करती है। इसका तर्क है कि अनैतिक व्यवहार भी अनुचित है, क्योंकि इससे जीवन समृद्ध नहीं होता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कम्प्यूटर साइंस का प्रैक्टिकल कल

लखनऊ। लविवि में एमएसी प्रथम सेमेस्टर में कम्प्यूटर साइंस विषय का प्रैक्टिकल 30 जनवरी को होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को सुबह दस बजे विभाग पहुंचना होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

सात जिलों में सर्वे, मिले 1,652 जलीय पक्षी

लवि की टीमों ने किया था दौरा, बर्ड काउंट इंडिया के पोर्टल पर अपलोड किया डेटा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ सहित प्रदेश के सात जिलों के वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) के दौरे में 1,652 जलीय पक्षी पाए गए। इनमें कई लुप्तप्राय मिस्र गिद्ध से लेकर गैडवाल बत्तख (मारेकास्ट्रेपेरा), नादर्न शावेलर (स्पैटुलाक्लाइपीटा) और रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड (नेट्टारूफिना) जैसे प्रवासी पक्षी सबसे अधिक संख्या में मिले। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से राज्य जैव विविधता बोर्ड और अवध वन विभाग के सहयोग से सात जिलों में किए गए वेटलैंड्स के भ्रमण के बाद तैयार रिपोर्ट में यह आंकड़े सामने आए। इसके डेटा को बर्ड इंडिया पोर्टल पर भी अपलोड कर दिया गया है।

वन्य जीव विज्ञान संस्थान की समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि एशियाई जल पक्षी जनगणना के लिए सात टीमों को 14 से 21 जनवरी तक सात जिलों के वेटलैंड्स के दौरे के लिए भेजा गया। टीम में शोधार्थी कृतिका राव, ज्योति अंतिल, प्रशांत त्रिपाठी, शिवांशु राठौर, प्रियंका रावत, नरसिंह मणि और ज्योति सिंह शामिल रहीं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्य जीव विज्ञान के शोधार्थियों ने जलीय पक्षियों की जनगणना के लिए किया सर्वे • सौजन्य से विभाग

सबसे अधिक जल पक्षी इटावा, संतकबीर नगर में : कन्नौज के लाख बहोसी पक्षी अभयारण्य, इटावा के सरसई नावर पक्षी अभयारण्य और संतकबीर नगर जिलों के बखिरा पक्षी अभयारण्य में सबसे अधिक जल पक्षी प्रजातियां पाई गईं। बखिरा पक्षी विहार में 80, कन्नौज के लाख बहोसी अभयारण्य में 40 लाल सिर वाली बत्तख और 100 ग्रे-हेडेड स्वैम्पेन (बैंगनी स्वैम्पेन), सरसई पक्षी अभयारण्य इटावा में 100 सारस क्रेन, 10 गैडवाल देखने को मिले। यहां ब्लैक हेडेड आइबिस की संख्या सिर्फ 25 रही।

लुप्तप्राय मिस्र के गिद्ध मिले : लुप्तप्राय मिस्र के गिद्ध (नियो फ्रान पर्क नोप्टेरस) को पार्वती अरगा पक्षी अभयारण्य गोंडा के डंपिंग साइट के पास देखा गया। समसपुर वेटलैंड रायबरेली में दो मिस्र के किशोर गिद्ध भोजन करते मिले। सरसईनावर वेटलैंड के पास की सड़क पर चार मिस्र के गिद्ध उड़ते पाए गए। समसपुर, सरसई और लाख बहोसी पक्षी अभयारण्य में काली गर्दन वाले नौ सारस, ओरिएंटल डार्टर की संख्या छह रही। इकाना नम भूमि, कठौता झील में ग्रेटर कूकल, सारस क्रेन, टिटहरी, कांस्य पंखों वाला जकाना, हरा सैंडपाइपर देखने को मिला। शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य में लिलिट ग्रीब्रे सहित अन्य जिलों में काला भुजंगा, चरचरी, रामतीतर, घोंघिल, चितला कौड़िआल, काला पिट्टा, भिंगरी जलीय पक्षी भी नजर आया।

इंटर हास्टल प्रतियोगिता कल से

लवि में मंगलवार से इंटर-हास्टल प्रतियोगिता फेस्ट-2024 की शुरुआत होगी। इसमें विश्वविद्यालय के मुख्य एवं द्वितीय परिसर के सभी 18 छात्रावासों के अंत:वासी छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। उद्घाटन 30 जनवरी को हबीबुल्ला हास्टल में होगा। समापन समारोह सात फरवरी को मालवीय हाल में होगा। प्रतियोगिताएं तीन वर्गों में होंगी। पहला वर्ग साहित्यिक प्रतियोगिताओं का है। इसमें वाद-विवाद, क्विज, जस्ट-ए-मिनट, पोस्टर, कविता पाठ शामिल हैं। दूसरा वर्ग सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का है, जिसमें एकल एवं समूह नृत्य और गायन, नाटक, मुशायरा, रंगोली, अनुकरण, पाक कला शामिल हैं। तीसरा वर्ग स्पोर्ट्स का है। इसमें आउटडोर एवं इंडोर खेल शामिल हैं। मुख्य रूप से क्रिकेट, बैडमिंटन, वालीबाल, रस्साकसी, रिलेरेस, चेस, कैरम, टेबल टेनिस आदि खेल होंगे। आयोजन के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, संरक्षक प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, सह संरक्षक अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, समन्वयक चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह तथा सह समन्वयक डा. राजेश्वर यादव एवं डा. अनुपमा श्रीवास्तव हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कर विद्यार्थी बता रहे अपनी समस्याएं

जासं, लखनऊ : कोई अपने करियर को लेकर परेशान है तो कुछ यह तय नहीं कर पा रहे कि आगे क्या करना है? इसको लेकर वह तनाव में रहते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से क्यूआर कोड को स्कैन करके व्यक्तिगत एवं करियर संबंधी समस्याओं की हेल्पलाइन में नौ दिनों में करीब 50 विद्यार्थियों ने कुछ इसी तरह की दिक्कतें बताई हैं। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी और काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल काउंसिलिंग के माध्यम से समाधान कर रही है।

लवि ने 19 जनवरी को क्यूआर कोड के माध्यम से समस्याओं के निराकरण की पहल की थी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने कहा कि अब तक करीब 50 विद्यार्थी इसमें संपर्क कर चुके हैं।

काउंसिलिंग से समाधान

काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डा. वैशाली सक्सेना ने बताया कि तमाम विद्यार्थी ऐसे भी आ रहे जो यह नहीं समझ पा रहे कि आगे क्या करें? हास्टल के कुछ विद्यार्थी आर्थिक दिक्कत तो कुछ अधिक गुस्सा आने से परेशान होकर काउंसिलिंग के लिए आए। सभी का काउंसिलिंग के माध्यम से समाधान किया जा रहा है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

Our commitment to academic excellence is unwavering: LU VC

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW : The University of Lucknow (LU) has once again submitted data to the National Institutional Ranking Framework (NIRF) that reflects its commitment towards academic excellence, research prowess, and overall institutional performance, informed Prof Alok Kumar Rai, vice-chancellor of the University of Lucknow.

NIRF, an initiative by the ministry of education, Government of India, plays a pivotal role in evaluating and ranking higher education institutions across the country.

The comprehensive data submitted to NIRF encompasses various parameters, including teaching, learning and resources, research and professional practice, graduation outcomes, outreach and inclusivity and perception. This detailed submission provides a holistic view of the university's multifaceted contributions to the academic landscape and society at large, he said.

Prof Rai expressed enthusiasm about the university's participation in NIRF, "Our commitment to academic and research excellence has always been unwavering. The NIRF submission is an opportunity for us to showcase our achievements, innovations, and the transformative impact we have had on our students and the community. It is a reflection of our ongoing efforts to enhance the quality of education and research. We hope that addition of highly qualified faculty over the last couple of years will increase our faculty-student ratio. Our new faculty have also been getting research projects and publishing impactful research which should improve our research as well as teaching and learning indices."

In 2023, Lucknow University jumped to 115th spot against last year's 195th: a jump of 80 ranks in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) India rankings in 2023. The achievement of an A++ grade in the National Assessment and Accreditation Council (NAAC) contributed majorly to the increase in NIRF ranking, an official said.

"The university's consistent efforts to foster a culture of innovation, research, and inclusivity are expected to be reflected positively in the NIRF rankings," said Durgesh Srivastav, the university's spokesperson.